



---

.. chandramaulIshastotram ..

॥ चन्द्रमौलीशस्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : chandramaulIshastotram

File name : chandramaulIshastotram.itx

Location : doc\_shiva

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Proofread by : Pallasena Narayanaswami ppnswami at gmail.com

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar, stotrasankhyA 211

Latest update : February 20, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

February 21, 2017

*sanskritdocuments.org*



## ॥ चन्द्रमौलीशस्तोत्रम् ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥

ओङ्कारजपरतानामोङ्कारार्थं मुदा विवृण्वानम् ।

ओजःप्रदं नतेभ्यस्तमहं प्रणमामि चद्रमौलीशम् ॥ १ ॥

नम्रसुरासुरनिकरं नलिनाहङ्कारहारिपदयुगलम् ।

नमदिष्टदानधीरं सततं प्रणमामि चन्द्रमौलीशम् ॥ २ ॥

मननाद्यत्पदयोः खलु महतीं सिद्धिं जवात्प्रपद्यन्ते ।

मन्देतरलक्ष्मीप्रदमनिशं प्रणमामि चद्रमौलीशम् ॥ ३ ॥

शितिकण्ठमिन्दुदिनकरशुचिलोचनमम्बुजाक्षविधिसेव्यम् ।

नतमतिदानधुरीणं सततं प्रणमामि चद्रमौलीशम् ॥ ४ ॥

वाचो विनिवर्तते यस्मादप्राप्य सह हृदैवेति ।

गीयन्ते श्रुतिततिभिस्तमहं प्रणमामि चद्रमौलीशम् ॥ ५ ॥

यच्छन्ति यत्पदाम्बुजभक्ताः कुतुकात्स्वभक्तेभ्यः ।

सर्वानपि पुरुषार्थास्तमहं प्रणमामि चद्रमौलीशम् ॥ ६ ॥

पञ्चाक्षरमनुवर्णेरादौ कृष्णं स्तुतिं पठन्नेनाम् ।

प्राप्य दृढां शिवभक्तिं भुक्त्वा भोगाल्लभेत मुक्तिमपि ॥ ७ ॥

इति चद्रमौलीशस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Pallasena Narayanaswami ppnswami at  
gmail.com

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

